

20/0/00036

घोसो स्टेशनरी, मांडवगढ़ रु. 230289
ता. पेकी स्टेशन

राजस्थान सरकार
(कायदा - 129)

जनरल क्लर्क सिविल क्लर्क 129 अपेन्डेक्स फार्म नम्बर 8 के
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, चिजौलिया जिला-भीलवाड़ा (राज.)

क्रिम मुकदमा 1	नम्बर मुकदमा 2	वारीय दायरा 3	तारीख फंसवा 4	फंसवा क्रमांक 5
88-188 R.T.A.	213/10			

अनवाप

शंकरलाल धाऊ
श्री... श्री...
S/O देवीलाल धाऊ श्री... श्री...
निवासी... निवासी...
राजाजी कुटुम्बे राजाजी कुटुम्बे

GLA

अधिकारता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त

अधिकारता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त

डिक्रीदार

रेस्पॉन्डेंट / अवयुनात

श्री... श्री...



1. प्रमाणित
2. प्रमाणित
3. प्रमाणित

10/10/1

14/11/18

20/11/17

पोली स्टेशनरी, मंडलमण्ड 230289

ता. पेकी स्टेशन

11/11/18 9.5 22.1.17

12.3.14

फार्म नम्बर 8 के

मौलवाड़ा (राज.)

9.7.15

27/8/19

जनरल क्लर्क
यालय उप



राजस्थान सरकार

क्रिसम मुकदमा 1	नम्बर मुकदमा 2	वारोच दायर 3	वारोच फंसखा 4	फंसखा क्रमीक 5 15-10-14
88-188 R.T.A.	40/03	29-4-10	प्रति 9/9/2021	20/11/19
	213/10		मासिक	14/11/15
			20.9.22	18/2/15
			3.11.22	11/4/15
				4/11/15
				17/3/15
				13/11/15
				मासिक 13/11/16
				शा.क्र. 9/3/16
				11/5/14

अन्याय

11.11.21 31/8/16

श्री श्रीकल्लाल धाकर श्री सज्जम सिंह
निवासी विवाही

अधिकारता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त अधिकारता वादी / प्रार्थी / अपीलान्त
डिफेंडर रेस्पॉण्डेंट / अवयुक्ता

श्री गि.दाली लाल शर्मा श्री जगदीश दाकर
27/9/10
1/11/10

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	पत्रावली या कार्यवाही हुक्म की तारीख से जारी हुए
9/3/23	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी/प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान F.O. सा दौरे पर है। पत्रावली दिनांक 12/4/23 को वास्तु बतल पेश हो। L. Govil उप खण्ड अधिकारी	
13/4/23	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी/प्रतिवादी उपस्थित श्रीमान F.O. सा दौरे पर हैं। पत्रावली दिनांक 20/4/23 को वास्तु बतल पेश हो। L. Govil उप खण्ड अधिकारी	
20/4/23	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उभयपक्ष उपस्थित। वादी, प्रतिवादी उपस्थित। पत्रावली पर बतल सुनी गई। पत्रावली वास्तु निर्णय दिनांक 11/5/23 को पेश हुई।	निर्णय
11/5/23	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली पर बतल सुनी गई। पत्रावली वास्तु निर्णय दिनांक 08/06/2023 को पेश हो।	
08/6/23	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता उभयपक्ष उपस्थित। पत्रावली वास्तु निर्णय 15/6/23 को पेश हो।	

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इतिहास जज	नाम व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामीर में जारी हुए
8/6/23	पत्रावली चेरा हुई। अधिकार उग्रयपक्ष उपरिष्ठ। पत्रावली वारते निर्णय दिनांक 22/6/23 को चेरा हो। /s/	
22/7/23	पत्रावली चेरा हुई। अधिकार उग्रयपक्ष उपरिष्ठ। पत्रावली वारते निर्णय दिनांक 19/7/23 को चेरा हो। /s/	
19/7/2023	पत्रावली चेरा हुई। अधिकार उग्रयपक्ष उपरिष्ठ। बतस पूर्व में चुनी जा चुकी हैं। वादीगण का नाद स्वीकार किया जाकर डिफेंड किया जाता है। निर्णय खुले न्यायालय में सुनाया गया। निर्णय पृष्ठक से लिखाया जाकर, शामिल पत्रावली किया गया। पत्रावली कैसल सुमार हो, नम्बर से कम होकर दाखिल सम्बन्ध पत्र हो। /s/	

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बिजौलियां, जिला भीलवाड़ा, (राज0)

राजस्व प्रकरण संख्या 213/2010

ईजलास श्रीमती सीमा तिवाड़ी आर0ए0एस0

दाखल तारीख 29.04.2010

निर्णय दिनांक-13/07/2023

अनवान

01. शंकर लाल पिता देवीलाल धाकड़ निवासी राणाजी का गुड़ा तहसील बिजौलियांवादी

बनाम

01. संग्राम सिंह पुत्र शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग व्यवसाय खेती निवासी राणाजी का गुड़ा तहसील बिजौलियांमृतक

1.1 कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह राजपूत

1.2 उगम कंवर पुत्री संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

1.3 युवराज सिंह पिता संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

02. तेज सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुड़ा तहसील बिजौलियांमृतक

2.1 वीर प्रताप सिंह पिता तेज सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग जरिये माता सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

2.2 सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुड़ा तहसील बिजौलियां

03. रघुवीर सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत निवासी राणाजी का गुड़ा तहसील बिजौलियां

3.1 ओमेन्द्र कंवर पत्नि शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुड़ा

04. जनारदन सिंह पिता शम्भुसिंह जाति राजपूत उम्र बालिग पेया खेती निवासी राणाजी का गुड़ा तहसील बिजौलियां

05. राजस्थान सरकार मार्फत तहसीलदार महोदय बिजौलियांप्रतिवादीगण

उपस्थित अधिवक्ता वादीगण श्री गिरधारी लाल आचार्य
उपस्थित अधिवक्ता प्रतिवादीगण श्री जगदीश चन्द्र धाकड़

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88-188 रा0का0अधि0

—:निर्णय:—

वादीगण ने वादपत्र अन्तर्गत धारा 88-188 रा0टि0एक्ट के तहत प्रस्तुत किया। बाद जांच वादपत्र दर्ज योग्य पाये जाने की रिपोर्ट प्रस्तुत होने पर वादपत्र दर्ज रजिस्टर किये जाने के आदेश दिये गये प्रतिवादीगण की तलबी जरिये सम्मन के की गयी। वादीगण के वादपत्र अनुसार भूतपूर्व गुड़ा के जागीरदार मनोहरसिंह जी राजपूत के विरुद्ध चले सिलिग प्रकरण संख्या 16 सन 1971 में जागीरदार मनोहरसिंह के नाम पर दर्ज भूमि गत बन्दोबस्ती खसरा संख्या 202 स्थित मौजा आंटी को सिलिग प्रकरण में हुये निर्णय की क्रियान्वती में अवाप्त की गयी जिसे बिलानाम सिवायचक दर्ज राजस्व अभिलेख किया गया। उसमें से आवंटन ऐसे काश्तकारों को किया गया जो आवंटन की विधिक पात्रता रखते हैं उसी के तहत उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ द्वारा वादी के दादा मेराम धाकड़ को मौजा आंटी की गतबन्दोबस्ती खसरा नम्बर 202 रकबा 2 बीघा 15 बिरवा का आवंटन विधि अनुसार आवंटी को किया गया।



उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या-02



आवंटन आदेश की पालना में पटवारी हल्का द्वारा आवंटित भूमि का मोका पर्व बनाया गया। आवंटित का नक्शा ट्रेस तैयार किया गया। आवंटित भूमि का कब्जा आवंटी को दिये जाने के पश्चात उसकी राजस्व नक्शा ट्रेस गत बन्दोबस्ती नक्शा ट्रेस में आवंटन भूमि तरमीम की गयी। आवंटी से आवंटित भूमि का इकरारनामा तैयार किया जाकर आवंटी की निशानी / हस्ताक्षर करवाये गये। आवंटन प्रक्रिया के अनुसरण में नोटोड खसरा तैयार किया जाकर बनी वसूली योग्य राशि आवंटी को जमा करवानी थी दर्शाया गया। आवंटी द्वारा आवंटन से प्राप्त कृषि भूमि को उन्नत आबाद कर उसकी जरूरत अनुसार फेंसींग कर सिंचाई का साधन बनाया जाकर कृषि भूमि का उपयोग प्रारम्भ कर दिया गया। आवंटन वर्ष 1972 से आवंटी और उसके पश्चात उसके वारिसान द्वारा आवंटन भूमि काश्त की जा रही है। आवंटन आदेश में जो गत बन्दोबस्ती खसरा नम्बर दर्ज है और आवंटी को कब्जा दिया गया उसका वर्तमान बन्दोबस्त में जो नम्बरान व रकबा बना है उसका वर्तमान राजस्व रेकर्ड में जिस प्रकार विवरण दर्ज अभिलेख है उसका विवरण इस प्रकार है मौजा आटी पटवार हल्का गुढा स्थित आराजी खसरा नम्बर 452 रकबा 3 बिघा 14 बिसवा जिस पर वर्तमान में वादीगण का जरिये काश्त के कब्जा है। राजस्व रेकर्ड में राजस्व कर्मचारियों द्वारा आवंटित भूमि का पृष्ठाकन नहीं करने की लापरवाही के कारण सिलिग द्वारा अवाप्त भूमि को वर्तमान राजस्व अभिलेखों में प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 की खातेदारी में दर्ज है। जबकि आवंटन के पश्चात न तो तत्कालीन जागीरदार जिसकी भूमि सिलिग में अवाप्त की गयी वह उसके नीजी खाते अथवा उसके वारिसान के खाते में भूमि दर्ज रही क्योंकि सिलिग प्रकरण के निस्तारण के पश्चात अवाप्त भूमि सिवाय चक दर्ज की जाकर प्रतिवादी संख्या 5 के खाते में दर्ज हो जाने की अवधारणा की जायेगी। यदि राजस्व कर्मचारियों ने किसी प्रकार से उदासीनता व लापरवाही बरत अवाप्त भूमि को सिवायचक में दर्ज नहीं किया है तो उसके कारण आवंटन आदेश का निष्प्रभावी होना नहीं माना जा सकता है न ही गलत रूप से प्रतिवादीगण के नाम दर्ज होना जाकर उन्हें खातेदार माना जा सकता है।

वादीगण जिस खसरा नम्बरान की भूमि का खातेदार काश्तकार घोषित कराने के लिए वादीगण वाद लेकर आये हैं उस बाबत उनके द्वारा सारा आवंटन रेकर्ड, आवंटन कमेटी की आवंटन हेतु की कार्यवाही का रेकर्ड प्रस्तुत किया गया। किस आवंटी को किस नम्बर की भूमि में कितनी भूमि का आवंटन किया गया उसकी सूची प्रस्तुत की गयी। तहसीलदार महोदय द्वारा आवंटन की कार्यवाही पूर्ण कर जो दस्तावेज आवंटन कमेटी को भिजवाये गये वे सभी दस्तावेज वादीगण ने प्रस्तुत किये गये हैं वादीगण द्वारा वादग्रस्त खातेदारी की खातेदारी दिये जाने का अनुतोष मांगा है।

प्रतिवादीगण के द्वारा आवंटी के कब्जे काश्त वाली भूमि अपने नाम राजस्व रेकर्ड में दर्ज होना अंकित होने को आधार बनाकर वादीगण के कब्जे काश्त में हस्तक्षेप करना प्रारम्भ करने पर वादीगण ने यह वाद प्रस्तुत कर प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक को स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द करने के अनुतोष की मांग की गयी। प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक न्यायालय द्वारा जारी सम्मन की पालना में न्यायालय में अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित हुये जिन्होंने बचाव में अपना जवाब प्रस्तुत किया। प्रतिवादीगण का यह बचाव अपने जवाब के माध्यम से लिया कि वादग्रस्त जायदाद गत बन्दोबस्ती खसरा नम्बरान के खसरा नम्बर 202 पर दर्ज भूमि अवाप्त नहीं की जाकर खसरा नम्बर 202/2 सिलिग प्रकरण में अवाप्त की गयी। सिलिग प्रकरण में खसरा संख्या 202/2 को अवाप्त किया गया। खसरा नम्बर 202 से किया गया आवंटन गलत है। इसलिये खसरा नम्बर 202 में किया गया आवंटन अवैध है खसरा नं० 202 में प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक खातेदार है, खसरा नम्बर 202/2 में वादीगण को भूमि का आवंटन हुआ है जिसका प्रतिवादी संख्या 1 व 4 के नाम पर दर्ज भूमि की खातेदारी भूमि से कोई सम्बन्ध नहीं है। वादीगण के द्वारा जो मिलान खसरा प्रस्तुत किया गया है उससे आवंटन का कोई सम्बन्ध नहीं है क्योंकि प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 की खातेदारी में दर्ज भूमि को न तो आवंटियों का भूमि का आवंटन हुआ है न ही कब्जा दिया गया।



उप खण्ड अधिकारी

जि. जौलियाँ जिला-भीलवादा



आवंटन खसरा संख्या 202 में किया गया जिससे सिलिंग कार्यवाही में लिया गया है खसरा संख्या 202/2 का अधिग्रहण नहीं किया गया। खसरा संख्या 202 को खसरा संख्या 202/2 से नहीं जोड़ा जा सकता है। राजस्व रेकॉर्ड में आवंटन की क्रियान्विती सम्पादित नहीं हुयी है। इसलिए वादीगण को चाहे गये खसरा नम्बर का खातेदार काश्तकार घोषित नहीं किया जा सकता है खसरा नम्बर 452 वर्तमान बन्दोवस्ती खसरा नम्बर 202 में आवंटन नहीं किया जा सकता है। प्रतिवादीगण क्रमांक 1 से 4 तक की खातेदारी भूमि का आवंटन से कोई लेना देना नहीं है। 30 वर्ष बाद भी राजस्व रेकॉर्ड में इन्द्राज नहीं करवाया जाना वादीगण का उदासीनता पूर्ण कृत्य है। वादीगण को सिलिंग प्रकरण में कार्यवाही करवा आवंटन की क्रियान्विती करना चाहिये। वादीगण ने स्पष्ट नहीं किया है कि किस स्थान पर आवंटन हुआ है स्पष्ट नहीं किया है। वादपत्र खारिज फरमाया जावे।

वादीगण ने उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ जो तत्कालीन समय में आवंटन कमेटी के अध्यक्ष थे उनके द्वारा जारी व हस्ताक्षरित सूची पेश की। आवंटन आदेश की पालना में की गयी आवंटनी के पक्ष की कार्यवाही दस्तावेज तत्कालीन क्षेत्र के तहसीलदार माण्डलगढ की आवंटन कार्यवाही के बाद तैयार सूची जिस पर तहसीलदार के हस्ताक्षर है पेश की व अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किये।

प्रतिवादीगण ने एक जमाबन्दी गत बन्दोवस्ती में उनके नाम दर्ज भूमि की प्रति पेश की है। प्रस्तुत वादपत्र जवाब दावे एवम प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर वादपत्र में तनकीयात कायम की गयी जो इस प्रकार से है।

तनकीयात

01. आया वादीगण मौजा आंटी स्थित कृषि खातेदारी भूमि मौजा आटी पटवार हल्का गुडा स्थित आराजी खसरा नम्बर 452 रकबा 3 बीघा 14 बिस्वा की खातेदारी पाने के अधिकारी होकर उनका वादग्रस्त जायदाद पर कब्जा है

02. आया वादी की खातेदारी में अभिलिखित योग्य कृषि भूमि प्रतिवादीगण वर्तमान खातेदार के नाम पर भूमिधारी द्वारा सेवन इन्द्राजी की प्रक्रिया में गलत दर्ज की हुयी है।

वादीगण

03. आया प्रतिवादीगण वर्तमान खातेदारान द्वारा अवैध रूप से भूमि का अन्तरण व वादीगण की खातेदारी में हस्तक्षेप भूमि को नष्ट प्रायः करने का प्रयास अनुचित है।

04. आया वादीगण वादग्रस्त जायदाद की अपने नाम पर राजस्व अभिलेखों में इन्द्राज कराने बावत उत्सुक नहीं रहने से राजस्व वाद चलने योग्य नहीं है।

05. आया वादीगण को आवंटित की गयी कृषि भूमि की मोका स्थिती स्पष्ट नहीं है।

06. आया वादपत्र अवधिपार है।

07. आया वादीगण को वादपत्र लाने की लोकल स्टेण्डी नहीं है।

08. आया वादीगण को जिस खसरा नम्बर भूमि में भूमि आवंटन किया गया उसकी सिलीग प्रकरण में अवाप्त कर भूमि नहीं हुयी है।

उप खण्ड अधिकारी

मिर्जापुर जिला-भीलवाड़ा

09. अनुतोष क्या होगा।

वादीगण से जिन वादीगण की मृत्यु हुयी उनका आवेदन देकर उनके वारिसान को पक्षकार बनाया साथ ही जैसे जैसे जिन प्रतिवादीगण की मृत्यु हुयी उनका वादीगण ने आवेदन देकर बाद अनुमति न्यायालय मृतक प्रतिवादीगण के स्थार पर प्रतिवादीगण बनाया गया है पी.डब्ल्यू एक वादी व गवाह पी.डब्ल्यू दो व पी.डब्ल्यू 3 के बयान करवाया। वादीगण का पी.डब्ल्यू एक वादी स्वय ने सशपथ बयान दिया कि वादग्रस्त जायदाद जो उसके पूर्वजो को आवंटित हुयी आवंटन कार्यवाही के कब्जा दिया गया। आवंटन से प्राप्त जायदाद कृषि भूमि को आवंटी व बाद के कब्जेधारी उन्नत आबाद व सीमाबन्द कर लिया। वादीगण उस पर काबिज होकर काशत करते है। प्रतिवादीगण ने जब वादीगण के कब्जे वाली जायदाद को अपनी खातेदारी भूमि बताकर विवाद व जबरन कब्जा छीनना चाहा तो वादीगण वाद लेकर आये। वादीगण ने अपने प्रस्तुत दस्तावेज को प्रदर्श करवाया प्रतिवादीगण की ओर से की गयी जिरह से ऐसे कोई तथ्य गवाह की जिरह के प्रतिताौर मे नही कहा जो प्रतिवादीगण के पक्ष के होकर प्रतिवादीगण के बचाव को सहायता मिली हो न ही कब्जा प्रतिवादीगण का सिद्ध हुआ हो। वादी के प्रस्तुत गवाह पी.डब्ल्यू 2 व पी.डब्ल्यू 3 ने वादीगण को वादग्रस्त जायदाद पर कब्जा होने का कथन किया है साथ ही उसने मुख्य परिक्षण द्वारा वादग्रस्त जायदाद पर प्रतिवादीगण का कब्जा हो जाना स्वीकार किया हा। जिरह मे भी प्रतिवादीगण के पूछे गये प्रश्नों का स्वीकार करते हुये प्रतिवादीगण के हितो की बात कही है। वादीगण ने साक्ष्य वादी रिबिटल रिजर्व रखते हुये अपनी साक्ष्य बन्द की।

प्रतिवादीगण की ओर से गवाह डी.डब्ल्यू एक प्रतिवादीया उपस्थित हुयी जिसने सशपथ कथन किया कि उसके ससुर के खाते की भूमि मोजा आंटी मे स्थित है जिस पर हमारा ही कब्जा है हमारे सयुक्त खाते मे भूमि दर्ज है। मेने जमाबन्दी की नकल पेश की है भूमि जो सिलिग में गयी उससे हमारा कोई सम्बन्ध नही है हमारी जमीन खाते कराने का वादी ने गलत दावा पेश कर दिया। इस गवाह से जिरह करने पर गवाह ने वादीगण का कब्जा होने से इन्कार किया एवम वादीगण को भूमि आवंटित हुयी होकर कब्जा दिया गया हो उससे इन्कार किया है। प्रतिवादीगण ने अन्य कोई बावजूद गवाह पेश करने का अवसर नही जाने पर भी गवाह पेश नही किये प्रतिवादीगण की साक्ष्य बन्द की गयी।

प्रतिवादीगण ने एक प्रार्थनापत्र आदेश 26 नियम 9-10 दि0प्र0स0 का प्रस्तुत कर कब्जे बाबत मोका रिपोर्ट मंगवाने का प्रस्तुत किया। वादीगण ने प्रार्थनापत्र का जवाब प्रस्तुत कर वहस की कि पक्षकारान को अपनी जबानी ओर दस्तावेजी साक्ष्य से वाद व प्रतिवाद का सिद्ध करवाना होता है। वह अपनी साक्ष्य मे रही कमी को दूर करने के लिए न्यायालय को माध्यम बना मोका रिपोर्ट नही मगवा सकता। न ही न्यायालय ऐसा कोई आदेश देगा जिससे यह स्थिती बनती हो कि पक्षकार न्यायालय अधिकारो का अनावश्यक उपयोग अपने पक्ष मे करने के लिए साक्ष्य एकत्रित करवाने हेतु कमीशनर रिपोर्ट भी मगवाने का प्रार्थनापत्र लेकर आया हो। वहस सुनने के पश्चात प्रतिवादीगण का प्रार्थनापत्र सारहीन पाये जाने से खारिज किया गया। दोनो पक्षो की ओर से वहस की गयी।

वादीगण के अभिभाषक वहस करते हुये निवेदन किया कि वादीगण के पूर्वज आवंटियो को सिलिग प्रकरण मे जागीरदार की अवाप्त भूमि के भूमि का आवंटन किया गया क्योकि अवाप्ती के पश्चात भूमि सिवाय चक विलानाम भूमि के रूप मे दर्ज की गयी थी आवंटन की गयी भूमि राजस्व अभिलेखो मे आवंटन हेतु उपलब्ध भूमि का चयन किया जाता है जिसकी पटवारी की आवंटन हेतु भूमि मय भू अभिलेख निरीक्षक की टिप्पणी के प्राप्त होने के पश्चात तहसीलदार द्वारा भूमि आवंटन हेतु उपलब्धता की जांच कर प्रतिवेदन आवंटन कमेटी के समक्ष रखता है तत्पश्चात उपखण्ड अधिकारी सिलिग प्रकरण में प्रभावी अवाप्त भूमि का आवंटन हेतु मात्र कृषक काशतकारो को किया जाता है।



उप खण्ड अधिकारी
विजौलियाँ जिला-भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-05

न्यायालय मे वादीगण की ओर से उपखण्ड अधिकारी महोदय जो आवंटन हेतु प्राधिकृत अधिकारी है उसके द्वारा जिस आवंटी काश्तकारो का अवाप्त भूमि का आवंटन किया गया उसकी सूची प्रस्तुत की है जिसे तहसीलदार को मोके पर नियमानुसार पालना के निर्देश के साथ भिजवायी सूची एवं आवंटन आदेश की पालना तैयार किये गये कागजात पेश किये है।

कि तहसीलदार महोदय के निर्देशानुसार पटवारी हल्का ने आवंटियों को भूमि मोके पर पेमूद कर कब्जा दिया एवम अपने नक्शे मे उसकी तरमीम की गयी। नक्शा नोटोड बनाया गया लगान का निर्धारण किया गया एवम आवंटी से लिखवाये जाने वाले इकारनामे की आवंटी से पूर्ति करवाये आवंटन आदेश की पालना तैयार किये दस्तावेज तत्कालीन तहसील कार्यालय माण्डलगढ मे प्रस्तुत किये गये। तहसीलदार माण्डलगढ ने आवंटन आदेश से सम्बन्धित पटवारी हल्का ओर भू निरीक्षक द्वारा तैयार किये गये दस्तावेजो के आधार पर सूची बनाकर तत्काली उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ के समक्ष रखी गयी जिसे उपखण्ड अधिकारी महोदय ने नियमानुसार आवंटन आदेश पालना हो जाना मानकर सभी दस्तावेज सिलिग प्रकरण की पत्रावली पर रखे जाने के आदेश दिये थे जिसकी वादीगण ने प्रमाणित प्रतिया प्राप्त कर वादपत्र के साथ प्रस्तुत की है। वादीगण द्वारा भूमि आवंटित होने को जरिये साक्ष्य वादी एवम उसके गवाह से पुष्टी करवायी गयी व कब्जा वादीगण का होने को सिद्ध करवाया गया है। इसके विपरित प्रतिवादीगण ने ऐसी कोई निष्पक्ष साक्ष्य नहीं करवायी है प्रतिवादिया स्वयं पेश व हुयी व हितवद्ध गवाह है इसलिए अकेली की साक्ष्य से प्रतिवादिया का कब्जा सिद्ध नहीं हुआ है वादीगण का डिकी फरमाया जावे। प्रतिवादीगण के अभिभाषक ने अपनी बहस मे निवेदन किया है वादीगण वादग्रस्त जायदाद के खातेदार उनके खाते मे गत बन्दोबस्त मे दर्ज रहे खसरा नम्बर 202/2 जिस जागीरदार के विरुद्ध सिलिग प्रकरण चला उसके खाते मे दर्ज भूमि नहीं थी। सिलिग प्रकरण मे गत बन्दोबस्ती खसरा संख्या 202 नम्बर की भूमि अवाप्त की गयी जिसके वर्तमान बन्दोबस्त खसरा नम्बर जिसकी खातेदारी लेने के लिए वाद लाया गया। व नहीं बने है। प्रतिवादीगण की ओर से प्रस्तुत जमाबन्दी के आधार पर वादीगण का कोई प्रकरण नहीं बनता है वादीगण का वाद चलने योग्य नहीं है वादपत्र भी अवधिपार है एवम वादीगण को वाद लाने की कोई पात्रता नहीं है।

दोनों पक्षों के द्वारा की गयी बहस साक्ष्य व प्रस्तुत दस्तावेजो का ध्यान पूर्वक अफिलोकन एवम मनन किया गया इसके आधार पर प्रत्येक तनकी का निर्णय न्यायालय के निर्णयानुसार निम्नानुसार है।

तनकी न0 1

इन तथ्यों को सिद्ध करवाने का भार वादीगण पर है वादग्रस्त जायदाद जिसका आवंटन वादीगण के पूर्वजो को किया गया उसके सम्बन्ध मे वादीगण की ओर से जो दस्तावेज पेश किये गये है जिसमे तत्कालीन उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ के द्वारा जिन व्यक्तियों को सिलिग मे अवाप्त की गयी भूमि का आवंटन किया उसकी सूची पत्रावली पर मौजूद है जिसमे वादीगण के पिता देवीलाल जी को सात बीघा का आवंटन गत बन्दोबस्ती खसरा संख्या 202 मे किया जाना दर्शाया हुआ है। उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ की आवंटन सूची में अंकित किया गया है कि निम्न आवंटियों को सिलिंग मे अवाप्त भूमि का आवंटन का आदेश दिया जाता है यह आदेश सूची उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ के हस्ताक्षर से उनके कार्यालय से जारी की जाकर तत्कालीन तहसील माण्डलगढ मे भिजवायी गयी। उक्त आवंटन आदेश की पालना आवंटी के पक्ष मे पटवारी हल्का व भू अभिलेख निरीक्षक ने की वे सभी दस्तावेज पत्रावली पर मौजूद है साथ ही आवंटन कार्यवाही पूर्ण होने के बाद तहसीलदार माण्डलगढ द्वारा आवंटन की क्रियान्वती बाबत जो कागजात उनके अधिनस्थ कर्मचारियों ने तैयार किये उपखण्ड कार्यालय मे प्रेषित कर दिये गये।

उप खण्ड अधिकारी

विजौलियाँ जिला-भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-06



इस प्रकार आवंटी को भूमि आवंटित हुयी है वह सदैहास्यद नहीं है जहा तक खसरा नम्बरान का अन्तर प्रतिवादीगण के अभिभाषक की ओर से की गयी आपत्ती पर विचार करने का प्रश्न है जिससे यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि 202 के टुकडे कर दर्ज की गयी वह भूमि सिलिग से प्रभावी नहीं है। यदि किसी बडे रकबे वाली भूमि है उसको दो हिस्सो मे बाटा जाता है तो इसको इस प्रकार से राजस्व अभिलेखो मे दर्ज अभिलेख किया जाता है मूल खसरा नम्बर को मीन शब्द अंकित कर राजस्व रेकर्ड पर रखा जाता है उसके पश्चात बटा नम्बरान मूल नम्बर के नीचे 1, 2 3 वगेरा दर्ज राजस्व अभिलेख किये जाते है इससे स्पष्ट है कि आवंटन भूमि मूल नम्बर 202 है तो उसके साथ मीन शब्द नहीं है सम्भवत मनन करने बाद ऐसा लगता है कि जो खसरा नम्बर 202 का विभाजन होना बताकर खसरा संख्या 202/2 अलग नम्बर डाला गया है वह सन्देह उत्पन्न करने वाला है जो सम्भवत न्यायालय द्वारा की जा रही सिलिग कार्यवाही से अवाप्त भूमि के बाद हुयी आवंटन की कार्यवाही से बचने के लिए खसरा नम्बर 202 को टुकडो मे विभाजित करवा कर प्रतिवादीगण ने अपने खाते मे दर्ज करवायी हो।

यदि प्रतिवादीगण के आवंटन आदेश एवम आवंटन कार्यवाही के नम्बरान मे आये अन्तर को माना जाकर यह तनकी वादीगण के विरुद्ध तय की जाती है तो यह स्थिती बनेगी कि आवंटन अधिकारी ने आवंटन ही गलत किया जबकि ऐसा कयास करना जिम्मेदार अफसर के लिए उचित नहीं होगा क्योकि भूमि की रिक्रता या उपलब्धता की रिपोर्ट होने पश्चात ही भूमि का आवंटन किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवादीगण की खातेदारी भूमि दर्ज भूमि को प्रतिवादीगण आवंटन नहीं मानते है ओर वर्ष 1972 के पश्चात से भूमि वादीगण के कब्जे मे थी तो प्रतिवादीगण खातेदारो ने यह आपत्ती सक्षम अधिकारी के समक्ष क्यो नहीं की। क्योकि सिलिग कार्यवाही मे यदि अन्य खातेदार की भूमि अवाप्त कर ली जाती ओर उसका आवंटन किया जाता है तो सिलिग कार्यवाही का प्राधिकृत अधिकारी उसे खारिज कर सकता है प्रतिवादीगण ने इस बाद से पूर्व कभी सक्षम अधिकारी के यहा आवंटन को निरस्त कराने अथवा आवंटन का कब्जा हटाने की कार्यवाही करवायी है ओर वादीगण के तर्क एवम साक्ष्य के अनुसार आवंटी ने भारी लागत लगा दी है वादीगण ने मिलान खसरे की नकल पेश कर जिस खसरा नम्बर को अपने खाते मे दर्ज कराने का अनुतोष मांगा है वह भी सिद्ध हुआ है इसलिए इस तनकी का निर्णय वादीगण के पक्ष मे किया जाता ।

तनकी न0 2 :-

इस तनकी को सिद्ध कराने का भार वादीगण पर है जो रेकर्ड न्यायालय में आवंटन सम्बन्धित पेश हुआ है उससे यह स्पष्ट है कि वादग्रस्त जायदाद आवंटी को आवंटित हुयी उसकी कियान्विती भी मोकें पर की गयी इसके सम्बन्ध में आवंटन सामग्री उपलब्ध है साथ ही नये बने नम्बरान का मिलान खसरा भी उपलब्ध है। कब्जे वाले कालम में आवंटी का नाम दर्ज है इससे स्पष्ट है कि आवंटी को जिस स्थान का कब्जा दिया गया उसी नम्बर वाले स्थान पर उसका कब्जा है। प्रतिवादीगण यह स्पष्ट नहीं कर पाये की खसरा संख्या 202/2 उनके खाते मे से आयी। क्योकि जो सिलिग प्रकरण चला उसमे जागीरदार की खातेदारी मे दर्ज भूमि उसके पास सिलिग अधिनियम रखे जाने योग्य भूमि उसके लिये छोडी गयी जिसमे उसके परिवार की यूनिट बनाकर जमीन उनकी खातेदारी मे छोडी गयी। यह तो स्पष्ट है कि प्रतिवादीगण के पूर्वज ही गांव गुडा के जागीरदार थे व प्रतिवादीगण के पूर्वज छूट भाईयो मे थे रूल आफ प्रिमिजीनेघर के अनुसार गदासीन जागीरदार ही सम्पूर्ण जागीर सम्पति का मालिक था ओर छूट भया को गुजर लायक सम्पति दी जाती थी। इसलिए जागीरदार ने जो भूमि सरण्डर के ओपशन के तहत भूमि सरण्डर की वह अवाप्त कर ली गयी ओर उसी का आवंटन आवंटियो को किया गया।



उप खण्ड अधिकारी

बिजौर जिला-भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-07

यदि सारेण्डर की कार्यवाही में नम्बरान इधर उधर कर दिये गये तो इससे सिलिंग की अवाप्ती कार्यवाही पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। न ही जिसके खाते में सिलिंग कार्यवाही के विपरित भूमि किसी खातेदार के खाते घटायी गयी और बन्दोबस्त कार्यवाही में उसी के नम्बर जो बने उसे खातेदार व्यक्तिगत खातेदारी की भूमि दर्ज की गयी है तो वह सही नहीं है प्रतिवादीगण ने अपने तर्क के समर्थ में वे ही प्रारम्भ से खातेदार है राजस्व रेकर्ड एवम साक्ष्य प्रस्तुत नहीं की जो रेकर्ड पेश किया गया वह भी सिलिंग कार्यवाही का समकालीन है। इसलिए इस तनकी का निर्णय वादीगण के पक्ष में किया जाता है।

तनकी क्रम 3

उक्त तनकी को सिद्ध कराने का भार भी वादीगण के जिम्मे है। प्रस्तुत आवंटन रेकर्ड से यह साबित है कि आवंटी को मोके पर कब्जा दिया गया मिलान खसरा में भी आवंटी का कब्जा दर्ज है उससे भी स्पष्ट है कि आवंटी का कब्जा भी चाही गयी खातेदारी भूमि पर है जिसको मिलान खसरे के इन्द्राज एवम अपनी ओर से प्रस्तुत साक्ष्य से भर सिद्ध करवाया है कि वादीगण का जिस खसरा नम्बर की भूमि को अपने नाम करवाना चाह रहा है। उस पर वादीगण का जरिये काश्त के कब्जा है स्थाई फेसिम होकर सिचाई का साधन बना हुआ है। प्रतिवादीगण ने केवल इस आधार पर बचाव लिया है कि भूमि वर्तमान में उनके खाते में है गलत आवंटन से आवंटी को भूमि का आवंटन हुआ है। केवल खातेदारी में भूमि दर्ज हो जाने से अब तक वैध खातेदार होना प्रतिवादीगण साबित नहीं करवाते वादीगण द्वारा चाहा गया अनुतोष दिये जाने से इन्कार नहीं किया जा सकता। जो राजस्व रेकर्ड वादीगण ने पेश किये हैं उससे स्पष्ट है कि सिलिंग की कार्यवाही से अवाप्त हुयी भूमि में ही आवंटी को आवंटन हुआ है व कब्जा भी दिया गया है यह नहीं माना जा सकता कि राजस्व अधिकारियों ने किसी अन्य खातेदार के खाते में दर्ज भूमि का आवंटन राजस्व रेकर्ड के विपरित किया गया हो। वादीगण ने प्रतिवादीगण के द्वारा उनके कब्जे वाली भूमि में जबरन कब्जा करने के प्रयास के विरुद्ध स्थाई निषेधाज्ञा का वाद पेश किया है साथ ही आवंटित भूमि प्रतिवादीगण खातेदार के खाते में भूमि दर्ज होने का कथन करते हुये खातेदारी समाप्त की जाकर वादीगण को खातेदारी दिये जाने का अनुतोष मांगा है। प्रतिवादीगण जरिये कोस क्ले में आवंटन अवेध घोषित कराने का भी अनुतोष नहीं मांगा है न ही वादपत्र प्रस्तुत होने बाद सक्षम न्यायालय में आवंटन को खारिज कराने के लिए सक्षम न्यायालय में कोई कार्यवाही करवायी है। प्रतिवादीगण ने वादग्रस्त जायदाद पर उनका कब्जा है किसी निष्पक्ष साक्ष्य द्वारा साबित भी नहीं करवाया है कि किस रूप में वे काबिज है न ही कोस क्लेम द्वारा वादीगण का कब्जा हटाने का अनुतोष मांगा गया है इस तनकी का निर्णय वादीगण के पक्ष में किया जाता है।

तनकी नं 4

उक्त तनकी को वादीगण के जिम्मे किया जाना तनकी पर्या में अंकित किया गया है जबकि तनकी को पढ़ने से स्पष्ट है कि इसको सिद्ध करवाने का भार प्रतिवादीगण के जिम्मे होना चाहिये।

इसको ध्यान में रखते यह तनकी प्रतिवादीगण के जिम्मे की मानते हुये निर्णय किया जाना उचित प्रतित होता है।

वादीगण द्वारा 88 रा0टि0एक्ट के तहत वाद लाया गया है उसके लिए मियाद सीमा राजस्थान काश्तकारी अधिनियम में दी गयी सारणी में तय नहीं की गयी है हितवद्ध व्यक्ति कभी भी खातेदारी लेने के लिए वाद प्रस्तुत कर सकता है कानून के अवलोकन से यह स्थिती स्पष्ट हुयी है। इसलिए वादीगण के वाद का अवधि पार होना नहीं माना जा सकता है।

उप खण्ड अधिकारी

विजौलियाँ जिला-भीलवाड़ा

लगातार पेज संख्या:-08

यहां यह उल्लेख करना न्यायालय उचित समझता है कि राजस्व रेकॉर्ड का सही तरीके से घोषण करना और राजस्व रेकॉर्ड में घटानानुसार प्रविष्टियां करना राजस्व कर्मचारियों के कर्तव्यों में है। आवंटन के आधार पर आवंटों के खाते में भूमि दर्ज करने में यदि सम्बन्धित राजस्व कर्मचारियों ने उदासीनता व लापरवाही बरतते हुये नहीं की है तो इसके लिए न तो आवंटों की गलती मानी जा सकती है न वादीगण का अनुतोष स्वीकार करने से इन्कार की जा सकती है। राजस्व रेकॉर्ड में समय के चलते उसके खाते में भूमि दर्ज नहीं की गयी। उक्त तनकी का निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।
तनकी न0 5

यह तनकी प्रतिवादीगण के जिम्मे की है प्रतिवादीगण ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि किस प्रकार आवंटों के यह कथन करके आये है कि जिस स्थान पर वादीगण मोजा आटी की वादग्रस्त भूमि पर काबिज हो काशत करना कह कर आये है वहां उनका कब्जा नहीं है इसलिए प्रतिवादीगण के संज्ञान में दावा पेश करने की दिनांक से है कि वादीगण का कब्जा किस स्थान पर है। वादीगण ने जो आवंटन के पश्चात तहसीलदार मोकें पर आवंटन आदेश की पालना में आवंटों को कब्जा दिया गया नवशा भी पेश हुआ है जो स्पष्ट करता है कि वादीगण को किस स्थान पर कब्जा दिया गया। उक्त प्रकरण में तहसीलदार भी एक पक्ष है जिसने वादीगण के वाद का जवाब प्रस्तुत कर आवंटन व उसकी पालना में कब्जा आवंटों को दिये जाने से इन्कार नहीं किया है। इसलिए इस तनकी निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।
तनकी न0 6

यह तनकी प्रतिवादीगण के जिम्मे की है इसका निर्णय भी तनकी न0 4 के विस्तृत निर्णय के समय किया जा चुका है इसलिए पुनः उन्ही तथ्यों को दोहराते हुये निर्णय किया जाता है उसी अनुसार इस तनकी का प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।
तनकी संख्या 7

इस तनकी को सिद्ध करवाने का भार प्रतिवादीगण के जिम्मे है। प्रतिवादीगण व तहसील द्वारा यह कथन नहीं किया गया कि जिस खसरा नम्बर की भूमि की खातेदारी मांगी गयी उस बाबत वादीगण के कोई अधिकार नहीं है क्योंकि उन्हे भूमि का आवंटन नहीं किया गया है जबकि वादीगण ने आवंटन आदेश से लेकर कब्जा देने की सारे राजकीय कार्यवाही के दस्तावेज पेश किये है इसलिए उन्हे कानूनी अधिकारिता है कि आवंटित भूमि को अपने नाम करवाने हेतु घोषणा का वाद प्रस्तुत करे। इसलिए यह नहीं माना जा सकता है कि वादीगण को वाद लाने की लोकस स्टेण्ड्री नहीं है। इसलिए उक्त तनकी का निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।
तनकी न0 8

इस तनकी को सिद्ध करवाने का भार प्रतिवादीगण पर है किसी भी तनकी का निर्णय पत्रावली में संलग्न दस्तावेजों के परिपेक्ष एवम पत्रावली पर आयी साक्ष्य से किया जाना निदेशित है जो आवंटन सूची उपखण्ड अधिकारी महोदय माण्डलगढ की पेश हुयी है इसके अतिरिक्त आवंटन कार्यवाही की पालना में तैयार किये गये दस्तावेज भी पत्रावली पर मौजूद है। प्रतिवादीगण ने किसी दस्तावेज या साक्ष्य से यह साबित नहीं करवाया है कि खसरा संख्या 202 के टुकड़े किये जाकर खसरा संख्या 202/2 कब अलग दर्ज किया गया। यदि खसरा संख्या 202/2 जो खसरा संख्या 202 के टुकड़े कर दर्ज किया गया।



J

उप खण्ड अधिकारी
विजिलियाँ जिला-भीलवाड़ा

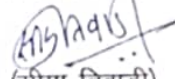
लगातार पेज संख्या-09


आवंटन के समय यदि प्रतिवादीगण उसके खातेदार थे तो उन्हें आवंटन अधिकारी के समक्ष उजरदारी पेश करनी थी या आवंटन को निरस्त कराने के लिए सक्षम अधिकारी के समक्ष अपील या निगरानी पेश करनी थी प्रतिवादीगण आवंटन को निरस्त कराने की कोई कार्यवाही नहीं की न कोई कोस क्लेम वाद में पेश किया है न्यायालय को यह विश्वास दिलाने की कोई साक्ष्य रेकर्ड पर नहीं है कि आवंटन की क्रियान्वृती खातेदारों की खातेदारी भूमि में की गयी। न ही तहसीलदार जो प्रकरण में पक्षकार है उसने आपत्ती की है कि आवंटन को आवंटित भूमि का सेवन से प्रतिवादीगण की खातेदारी में क्रियान्वृती कर दी गयी। इसलिए उक्त तनकी निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध किया जाता है।

—:आदेश:-

वादपत्र में तनकी संख्या 1 से 3 का निर्णय वादीगण के पक्ष में और तनकी संख्या 4 से 8 तक निर्णय प्रतिवादीगण के विरुद्ध न्यायालय द्वारा किया गया है इसलिए वादीगण का वाद डिक्री किया जाता है वादीगण को मौजा आटी पटवार हल्का गुडा तहसील बिजौलियां स्थित आराजी खसरा नम्बर 452 रकबा 3 बीघा 14 बिसवा का खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है इसके साथ ही राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त भूमि को प्रतिवादीगण के खाते से कम की जाकर वादीगण के खाते में दर्ज किये जाने के आदेश दिये जाते हैं। प्रतिवादीगण को इस आशय की स्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वादीगण के कब्जे वाली भूमि में वादीगण को काश्त करने में बाधा उत्पन्न नहीं करे न जबरन कब्जा कर भूमि को अपने कब्जे में लेवे।

निर्णय अनुसार डिक्री पचां मुर्तिब किया जावे निर्णय आज दिनांक 19/07/23 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया पत्रावली फैसल सुमार की जाकर दाखिल दफ्तर की जावे।


(सीमा तिवाड़ी)
उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां


उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा



मूल वाद में डिक्री
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी बिजौलियां, जिला भीलवाड़ा, (राज0)

बईजलास श्रीमती सीमा शिवाड़ी आर0ए0एस0

राजस्व प्रकरण संख्या 213/2010

दायर तारीख 29.04.2010

निर्णय दिनांक- 19/07/2023

अनवान

01. शंकर लाल पिता देवीलाल धाकड़ निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियांवादी

बनाम

01. संग्राम सिंह पुत्र शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग व्यवसाय खेती निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां,मृतक

1.1 कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह राजपूत

1.2 उगम कंवर पुत्री संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

1.3 युवराज सिंह पिता संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग मार्फत माता कमलेश कंवर पत्नि संग्राम सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

02. तेज सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियांमृतक

2.1 वीर प्रताप सिंह पिता तेज सिंह जाति राजपूत उम्र नाबालिग जरिये माता सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग

2.2 सरोज कंवर पत्नि तेज सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

03. रघुवीर सिंह पिता शम्भु सिंह जाति राजपूत निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

3.1 ओमेन्द्र कंवर पत्नि शम्भु सिंह जाति राजपूत उम्र बालिग निवासी राणाजी का गुढा

04. जनारदन सिंह पिता शम्भूसिंह जाति राजपूत उम्र बालिग पेषा खेती निवासी राणाजी का गुढा तहसील बिजौलियां

05. राजरथान सरकार मार्फत तहसीलदार महोदय बिजौलियांप्रतिवादीगण



उपस्थित अधिवक्ता वादीगण श्री गिरधारी लाल आचार्य
उपस्थित अधिवक्ता प्रतिवादीगण श्री जगदीश चन्द्र धाकड़

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88-188 रा0का0अधि0

डिक्री दिनांक :- 19/07/2023

यह मुकदमा आज वास्ते इनफिसल कतई रूबरू न्यायालय उपखण्ड न्यायालय बिजौलियां बहाजरी वादीगण अधिवक्ता श्री गिरधारी लाल आचार्य एवं प्रतिवादीगण अधिवक्ता श्री जगदीश चन्द्र धाकड़ हुकम दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि:-

वादीगण का वाद डिक्री किया जाता है वादीगण को मौजा आटी पटवार हल्का गुढा तहसील बिजौलियां स्थित आराजी खसरा नम्बर 452 रकबा 3 बीघा 14 बिस्वा का खातेदार काशतकार घोषित किया जाता है इसके साथ ही राजस्व अभिलेखो मे उपरोक्त भूमि को प्रतिवादीगण के खाते से कम की जाकर वादीगण के खाते मे दर्ज किये जाने के आदेश दिये जाते है। प्रतिवादीगण को इस आशय की रस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि वादीगण के कब्जे वाली भूमि मे वादीगण को काशत करने मे बाधा उत्पन्न नही करे न जबरन कब्जा कर भूमि को अपने कब्जे मे लेवे। डिक्री मुर्तिव हो।

लगातार पेज संख्या:-02

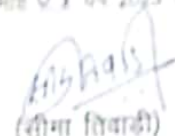
उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा



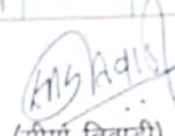
पेज संख्या-02

वीज _____ Nil _____ मुद्रांक _____ Nil _____
बाबत _____ Nil _____ खर्चा इस मुकदमे के मय मुद्र व शहर _____ Nil _____ फीस टी
सालाना आज की तारीख से तारीख प्रमुखवादी तक _____ Nil _____ का अदा
करे।


बसबद मेरे दस्तखत व मुहर अदालत की आज तारीख 19 माह 07 वर्ष 2023 को
जायी किया गया।


(सीमा तिवाड़ी)
उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां

मुद्	रुपया	पैसे	मुदायला	रुपया	पैसे
स्टाम्प अरजीदया	-		स्टाम्प अरजीदया	-	
स्टाम्प वकीलात नामा	-		स्टाम्प वकीलात नामा	-	
स्टाम्प वजह सबूत	-		स्टाम्प वजह सबूत	-	
महनताना वकील ()	-		महनताना वकील ()	-	
खर्चा गवाह	-		खर्चा गवाह	-	
फीस कमीशनर	-		फीस कमीशनर	-	
बाबत इजराय हुक्मनामा	-		बाबत इजराय हुक्मनामा	-	
मुनफरिक	-		मुनफरिक	-	
मीजान			मीजान		


(सीमा तिवाड़ी)
उपखण्ड अधिकारी
बिजौलियां




उप खण्ड अधिकारी
बिजौलियां जिला-भीलवाड़ा